प्रश्न 3.अपनी खोई साइकिल की जाँच करने के लिए स्थानीय पुलिस अधिकारी को पूर्ण विवरण सहित एक पत्र लिखिए|

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____

____|

____

____

____

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए|

कहा जाता है कि मानव का आरम्भिक जीवन अधिक लचीला और प्रशिक्षण के लिए विशेषकर अनुकूल होता है| यदि माता-पिता, अध्यापक और सरकार – तीनों मिलकर प्रयास करें, तो वे बालक को जैसा चाहें, वैसा वातावरण देकर उसकी जीवन-दिशा का निर्धारण कर सकते हैं| जीवन का यह समय मिट्टी के उस कच्चे घड़े के समान होता है, जिसके विकारों को मनचाहे ढंग से ठीक किया जा सकता है| लेकिन जिस तरह पके हुए घड़ों में पाए जाने वाले दोषों में सुधार करना असंभव है,उसी तरह यौवन की दहलीज को पार बीस-पच्चीस वर्ष के युवक के अन्दर आमूल परिवर्तन लाना यदि असंभव नहीं, कठिन अवश्य है| कच्ची मिट्टी किसी भी सांचे में ढालकर किसी भी नए रूप में बदली जा सकती है, लेकिन जब वह एक बार, एक प्रकार की बन गयी, तब उसमें परिवर्तन लाने का प्रयास बहुत ही कम सफल हो पाता है| किसी लड़के या लड़की के व्यक्तित्व के निर्माण का मुख्य उत्तरदायित्व हमारे समाज, हमारी सरकार और स्वयं माता-पिता पर है तथा बहुत कुछ स्वयं लड़के या लड़की पर भी| कोई भी व्यक्ति अपने ध्येय में तभी सफल हो सकता है, जब वह अपने जीवन के आरंभिक दिनों में भी वैसा करने का प्रयास करे|

इस दृष्टि से विद्या अध्ययन का समय ही मानव-जीवन के लिए विशेष महत्त्व रखता है| हम सभी का और स्वयं विद्यार्थियों का भी यही कर्त्तव्य है कि सभी इस तथ्य को हमेशा अपने सामने रखें |

(i) मानव का आरम्भिक जीवन कैसा होता है?
(ii) जीवन-निर्माण का उत्तरदायित्त्व किसका है?
(iii) विद्यार्थियों का कर्त्तव्य क्या है?
(iv) कोई व्यक्ति कब सफल होता है?
(v) इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए|
(vi) प्रशिक्षण को परिभाषित कीजिए|